B.A. 2nd Semester (General) Examination, 2019 (CBCS)

Subject : Sanskrit

Paper : GE-II/ CC-1B

Time: 3 Hours **Full Marks: 60**

The figures in the margin indicate full marks.
Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

1. Instructions for GE-II (Honours students of other than Sanskrit discipline)

अधोलिखितेषु प्रश्नेषु *दशानां* प्रश्नानामुत्तरं संस्कृतभाषया देवनागरीलिपिमाश्रित्य प्रदेयम्। तत्र प्रतिविभागं प्रश्नत्रयम् अवश्यमेव चयनीयम्।

নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে *দশটি* প্রশ্নের উত্তর সংস্কৃত ভাষায় দেবনাগরী লিপিতে লিখতে হবে। এর মধ্যে প্রতি বিভাগ থেকে অন্ততঃ *তিনটি* করে এবং বাকীগুলি যে কোনো বিভাগ থেকে উত্তর করতে হবে।

Instructions for CC-IB (General students)

অধোলিখিতেষু প্রশ্নেষু *দশানাং* প্রশ্নানামুত্তরং প্রদেয়ম্। তত্র প্রতিবিভাগং প্রশ্নদ্বয়ম্, অবশ্যমেব চয়নীয়ম্। তেষু দ্বয়োঃ প্রশ্নয়োঃ উত্তরং সংস্কৃত ভাষয়া অবশ্যমেব লেখনীয়ম্।

নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে *দশটি* প্রশ্নের উত্তর দিতে হবে। তার মধ্যে প্রত্যেক বিভাগ থেকে অন্তত *দুটি* প্রশ্নের উত্তর অবশ্যই দিতে হবে। যে-কোনো *দুটি* প্রশ্নের উত্তর সংস্কৃত ভাষায় লিখতে হবে।

2×10=20

'ক' বিভাগঃ

'ক' বিভাগ

(a) 'द्विजोपकृतिः'–इति शब्देन किं बोध्यते?
'द्विजोपकृतिः' এই শব্দের দ্বারা কী বোঝানো হয়েছে?

(b) 'पुलिन्दपुरोगमास्तदन्नमुपभुञ्जाना बहवो ब्राह्मणब्रुवा निवसन्ति।'–अत्र 'ब्राह्मणब्रुवा' शब्देन किं बोध्यते?
'পুলিন্দপুরোগমাস্তদন্নমুপভুঞ্জানা বহবো ব্রাহ্মণব্রুবা নিবসন্তি।' এই বাক্যে 'ব্রাহ্মণব্রুবা' শব্দের দ্বারা কী বোঝানো হয়েছে?

(c) 'मातङ्ग कथं तस्य सहचरगणेन हतः?
মাতঙ্গ কেন তার সহচরগণের হাতে মৃত্যুবরণ করেছিলো?

Please Turn Over

(d) 'ज्ञानेक्षणगम्यमानस्य शशिखण्डशेखरस्य पूजाविधानमभिधाय पूजां मत्कृतामङ्गीकृत्य निरगात्।' — अत्र 'शशिखण्डशेखरः' इति शब्देन किं बोध्यते।

'ज्ञानेक्षणगम्यमानस्य शशिखण्डशेखरस्य पूजाविधानमभिधाय पूजां मत्कृतामङ्गीकृत्य निरगात्।' — উক্ত বাক্যে 'शशिखण्डशेखरः' শব্দের দ্বারা কী বোঝানো হয়েছে?

(e) 'दशकुमारचरितम्' — इति ग्रन्थे प्रतिपादितानां दशकुमाराणां नामानि लिख्यन्ताम्।

'दशकुमारचरितम्'— এই গ্রন্থে আলোচিত দশজন কুমারের নাম লেখো।

'ख' विभागः
'খ' বিভাগ

(a) गद्यकाव्यस्य कति विभागाः सन्ति?

গদ্যকাব্যের কয়টি বিভাগ আছে?

(b) महाकवेः सुबन्धोः समयः कदा आसीत्?

মহাকবি সুবন্ধুর সময় কবে?

(c) महाकवेः दण्डिनः समयः कदा आसीत्?

মহাকবি দণ্ডির সময় কবে?

(d) आख्यान साहित्यस्य किं प्रयोजनमस्ति?

গল্পসাহিত্যের প্রয়োজন কী আছে?

(e) 'पञ्चतन्त्रः' इति ग्रन्थस्य रचनाकालः लिख्यताम्।

'पञ्चतन्त्रः' — এই গ্রন্থের রচনাকাল লেখো।

(f) हितोपदेशे कति विभागाः सन्ति? तेषां विभागानां नामानि लिख्यन्ताम्।

হিতোপদেশ গ্রন্থে কয়টি বিভাগ আছে? উক্ত বিভাগগুলির নাম লেখো।

(g) 'सिंहासनद्वात्रिंशिका' — इत्यत्र 'द्वात्रिंशिका' शब्देन किं बोध्यते?

'सिंहासनद्वात्रिंशिका' — এখানে 'द्वात्रिंशिका' শব্দের দ্বারা কী বোঝাচ্ছে?

(h) 'वेतालपञ्चविंशतिः' — अस्मिन् ग्रन्थे कति आख्यानानि सन्ति?

'वेतालपञ्चविंशतिः' — এই গল্পগ্রন্থে কয়টি আখ্যান আছে?

(i) महाकविना बाणभट्टेन विरचितम् ऐतिहासिकं काव्यं किम्?

মহাকবি বাণভট্ট বিরচিত ঐতিহাসিক কাব্যের নাম কী?

(j) 'कर्णसुन्दरी' कीदृशं काव्यम्? केन कविना एतत् काव्यं विरचितम्?

'কর্ণসুন্দরী' কী ধরনের কাব্য? কোন কবি এই কাব্যটি রচনা করেছিলেন?

2. (a) मातृभाषया अनुवादः कार्यः। 5×1=5

मातृभाषाय় অনুবাদ করোঃ

राजवाहनो मङ्गलसूचकं शुभशकुनं विलोकयन्देशं कंचिदतिक्रम्य विन्ध्याटवीमध्यमविशत्। तत्र हेतिहतिकिणाङ्कं कालायसकर्कशकायं यज्ञोपवीतेनानुमेयविप्रभावं व्यक्तकिरातप्रभावं लोचनपरुषं कमपि पुरुषं ददर्श।

अथवा,

तदनु विदितोदन्तो मदीयवंशबन्धुगणः सहसागत्य मन्दिरमानीय मामपक्रान्तव्रणमकरोत्। द्विजन्मा कृतज्ञो मह्यमक्षरशिक्षां विधाय विविधागमतन्त्रमाख्याय कल्मषक्षयकारणं सदाचारमुपदिश्य ज्ञाने क्षणगम्यमानस्य शशिखण्डशेखरस्य पूजाविधानमभिधाय पूजां मत्कृतामङ्गीकृत्य निरगात्।

(b) अधोनिर्दिष्टेषु विभागत्रयेषु न्यूनातिन्यूनं प्रश्नमेकमाश्रित्य *त्रयाणां* प्रश्नानामुत्तरं प्रदेयम्। तेषु प्रश्नद्वयम् अवश्यमेव संस्कृतभाषया लेखनीयम् :
অধোনির্দিষ্ট তিনটি বিভাগ হতে কমপক্ষে একটি করে প্রশ্ন নিয়ে মোট *তিনটি* প্রশ্নের উত্তর দাও। তন্মধ্যে দুটি প্রশ্নের উত্তর অবশ্যই সংস্কৃত ভাষায় লিখতে হবে।

'क' विभागः

'ক' বিভাগ 5×1=5

(i) टीका लेख्या–'अवन्तीसुन्दरीकथा'
টীকা লেখো—'অবন্তীসুন্দরীকথা'

(ii) 'बाणोच्छिष्टं जगत् सर्वम्' — अस्याः उक्तेः तात्पर्यं संक्षेपेण लिख्यताम्।
'বাণোচ্ছিষ্টং জগত্ সর্বম্' — এই উক্তিটির তাৎপর্য সংক্ষেপে লেখো।

(iii) 'सुबन्धुः सुजनैकबन्धुः' — अस्याः उक्तेः कः आशयः?
'সুবন্ধুঃ সুজনৈকবন্ধুঃ' — এই উক্তিটির তাৎপর্য কী?

'ख' विभागः

'খ' বিভাগ 5×1=5

(i) टीका लेख्या–'मित्रभेदः'
টীকা লেখো—'মিত্রভেদঃ'

(ii) 'वेतालपञ्चविंशतिः' — अस्मिन् काव्ये राज्ञः विक्रमादित्यस्य चरित्रं संक्षेपेण आलोचय।
'বেতালপঞ্চবিংশতিঃ'— এই কাব্যে রাজা বিক্রমাদিত্যের চরিত্র সংক্ষেপে আলোচনা করো।

(iii) आख्यानसाहित्यस्य उद्भवकारणं संक्षेपेण लिख्यताम्।
গল্প সাহিত্যের উদ্ভবকারণ সংক্ষেপে লেখো।

'ग' विभाग:

'গ' বিভাগ 5×1=5

(i) टीका लेख्या — 'राजतरङ्गिणी'
টীকা লেখো — 'রাজতরঙ্গিণী'

(ii) ऐतिहासिककाव्यस्य सृष्टिविषये संक्षेपेण आलोचय।
ঐতিহাসিক কাব্যের সৃষ্টির বিষয়ে সংক্ষেপে আলোচনা করো।

(iii) 'मुद्राराक्षसम्'— इत्यस्मिन् नाटके कः राक्षसः? तस्य चारित्रिकवैशिष्ट्यं संक्षेपेण आलोचय।
'মুদ্রারাক্ষসম্'— এই নাটকে রাক্ষস কে? তাঁর চারিত্রিক বৈশিষ্ট্য সংক্ষেপে বর্ণনা করো।

3. अधोनिर्दिष्टेषु प्रश्नद्वयस्य उत्तरं प्रदेयम्। 10×2=20
নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে যে কোনো *দুটি* প্রশ্নের উত্তর দাও ঃ

(a) 'तड़ित्समानकान्तिं दिव्यां तनुमलभत' — अत्र कः केन प्रकारेण दिव्यां तनुम् अलभत?
'তড়িত্সমানকান্তিং দিব্যাং তনুমলভত'— এখানে কে কীভাবে দিব্যতনু লাভ করেছিলো?

(b) संस्कृतगद्यसाहित्ये महाकवेः सुबन्धोः रचनावैशिष्ट्यम् आलोचय।
সংস্কৃতগদ্যসাহিত্যে মহাকবি সুবন্ধুর রচনা বৈশিষ্ট্য আলোচনা করো।

(c) अधुना समाजे 'पुरुषपरीक्षा' इत्यस्य काव्यस्य प्रासङ्गिकताम् आलोचय।
বর্তমান সমাজে 'পুরুষপরীক্ষা' এই কাব্যের প্রাসঙ্গিকতা আলোচনা করো।

(d) 'विक्रमाङ्कदेवचरितः' — इत्यस्य ऐतिहासिककाव्यस्य विषयवस्तु संक्षेपेण आलोचय।
'বিক্রমাঙ্কদেবচরিতঃ'— এই ঐতিহাসিক কাব্যের বিষয়বস্তু সংক্ষেপে আলোচনা করো।

———